DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G), Ph. : +91-7753-253801
Fax : 07752-253728, email : info@cvru.ac.in
visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.274 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2017 बिलासपुर, दिनांक : 06.03.17

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजि विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह फरवरी – 2017 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह फरवरी – 2017 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– फरवरी – 2017

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी (विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित) फैकल्टी ऑफ कॉमर्स (बी. काम.) (एम. काम.) (एम.बी.ए.) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी एम एस सी (आई. टी.) (मास्टर ऑफ इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी) पी.जी.डी.सी.ए. (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स) फैकल्टी ऑफ साईंस फैकल्टी ऑफ लॉ शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक

	सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक कांऊसिल का गठन किया गया है, जिसमें प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन

		कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 07.01.2014 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा युनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क	अध्यादेंशों के अनुकूल ही शुल्क लिया

	विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव का शुभारंभ हुआ। इसमें सभी विभागों के विद्यार्थियों खेल किक्रेट, बॉलीवाल, कबड्डी, खो–खो, बैंडमिंटन, लंबी कूद, उचीं कूद, भाला फेंक, तवा फेंक, कैरम, शतरंज समेत कई खेलों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। खेलकूद के समापन समारोह में स्टार जगत के क्रिकेटर कपिल देव जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुये थे, समापन समारोह में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ी व पंजाबी लोकगीतों के साथ सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। – स्कूल में अध्ययनरत् ऐसे बच्चे जो खेल में रूचि तो रखते है, लेकिन उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिये अभी तक उचित मंच नहीं मिल सका है, ऐसे सभी बच्चों के सपनों को साकार करने के लिये नवभारत एवं डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। – आज देश का हर क्षेत्र और हर व्यक्ति कौशल विकास से स्किल्ड हो रहा है, फिर भी आदिवासी अंचल और आदिवासी क्षेत्र के

			विद्यार्थी अब भी कौशल विकास` दूर है, इसी कमी को दूर करने के लिये डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय कौशल विकास और प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र के साथ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कौशल विकास उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रसंघ पदाधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण एवं गोपनीयता की शपथ भी ली गई। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के द्वारा रतनपुर में 7 दिवसीय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा धर्मनगरी रतनपुर के देवी मंदिर, प्राग्रण का तालाब, गार्डन, हनुमानगढ़ी और रामटेकरी सहित सभी धार्मिक स्थलों में स्वच्छता अभियान चलागा गया था, इकाई के विद्यार्थियों ने इन स्थानों पर सफाई करके लोगों को सफाई बनाए रखने के बारे में भी जानकारी दी। इन विद्यार्थियों ने लोगों को नियमित दिनचर्या भी सिखाई, 6.30 से 8.00 बजे तक नगर में प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं, स्वच्छ भारत, पर्यावरण प्रदुषण सहित जन जागृति के नारे लगाते हुये लोगों को इस बारे में जानकारी दी गई। इन विद्यार्थियों द्वारा सिद्धि विनायाक मंदिर में दो दिनों तक हजारों श्रद्धालुओं और संतो की सेवा भी की, सुबह से रात तक पूजन, भोजन, सफाई, पार्किंग व्यवस्था सहित सभी काम का बीड़ा भी उठाया। – देश के 7 राज्यों के 105 विश्वविद्यालयों के शोधार्थी दो

		दिवसीय सेंट्रल जोन रिसर्च कनवेंशन कार्यक्रम अन्वेषण – 2017 में डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एकत्रित हुये। कार्यक्रम में कृषि, साईंस, इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी, मेडिकल साईंस, सोशल साईंस, हमेनिटिस विषयों पर शोधार्थी देश के कई शिक्षाविदों के सामने अपने मॉडल प्रस्तुत किये जिसमें से ऊर्जा संरक्षण, रासायनिक उर्वकता को खत्म कर जैविक खाद उत्पादन, दिव्यांगों की जीवन शैली में बदलाव का डिवाइस, जल और थल में चलने वाला मानव रहित विमान, बुलेट ट्रेन से भी तेज रफतार की ट्रेन और स्मार्ट डायनमिक वाशर शामिल है। युवा वैज्ञानिकों ने बायोडीजल, आयुर्वेद औषधि, सोलर सिस्टम, ऊर्जा संरक्षण के अलावा स्वचलित तकनीक सिस्टम पर मॉडल प्रदर्शित किया गया, इनमें ऐसे मॉडल भी है, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर नवाजा गया है। – सत्र 2016–17 शैक्षणिक गतिविधियॉ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव